चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......हरि-भूमि......

दिनांक 19.10.2020 पृष्ठ संख्या....1....कॉलम....2-8....

हरिभूमि
हिसार-फतेहाबाद-सिरसा भूमि
रोहतक, सोमवार 19 अक्टूबर 2020

एचएयू में पढ़ने वाले अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी

विवि से अर्जित ज्ञान को अन्नदाता की भलाई में लगाएं : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सराहनीय

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। कुलपति ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी साझा करें। साथ ही उच्च

हिसार। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह से मुलाकात करते अफगानी विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

पीएचडी प्रोग्राम में 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता तथा ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है। उन्होंने बताया कि इस बैच के छात्रों की स्कॉलरशिप व फंडिंग इत्यादि का प्रबंध युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया है।

■ हकृवि मे पढ़ने वाली बेवे लीमा ने बागवानी विषय और लीना मोहम्मदी ने आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन मे मास्टर डिग्री पूरी की है। दोनो को कुलपति ने बधाई दी है।

मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी से रखा सम्पर्क

इस प्रोजेक्ट के लिए अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने समय-समय पर ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी से संपर्क बनाए रखा और मासिक रिपोर्ट तैयार करते रहे। डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि डिग्री पूरी करने वाले छात्रों में अफगानिस्तान से बेवे लीमा ने बागवानी विषय व लीना मोहम्मदी ने आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन में मास्टर डिग्री पूरी की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 19.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....2-4.....

अफगानिस्तान के छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी, बोले-विवि में घर जैसा माहौल

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिले तारीफ है जिसके चलते उन्हें अपने परिवार जैसा माहौल मिला है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं।

कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया। यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से मुलाकात करते अफगानी विद्यार्थी। • पीआरओ

स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट ने की थी फंडिंग: विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डा. आशा क्वात्रा ने बताया कि इस बैच के छात्रों की स्कॉलरशिप व फंडिग इत्यादि का प्रबंध यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवेलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डा. दलविंद्र सिंह ने समय-समय पर ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी से संपर्क बनाए रखा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 19.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6.8.....

अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी

- अन्नदाता की भलाई हो मुख्य लक्ष्य : कुलपति
- कहा - अपने देश के किसानों से सांझा करें अनुभव

हिसार, 18 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तान के छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विद्यार्थियों के उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। कुलपति ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। प्रो. समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी साझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह से मुलाकात करते अफगानी विद्यार्थी।

विश्वविद्यालय में मिला परिवार जैसा माहौल

इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिले तारीफ है, जिसके चलते उन्हें अपने परिवार जैसा माहौल मिला है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया। विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजैक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि यह प्रोजैक्ट अमरीका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है। इस अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......पंजाब केसरी, दैनिक भास्कर

दिनांक 19.10.2020 पृष्ठ संख्या....3.......कॉलम....4-8.........

अफगानी छात्र बोले - एचएयू में मिला घर जैसा माहौल

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिलेतारीफ है। उन्हें यहां अपने परिवार जैसा माहौल मिला है। कुलपति प्रो. समर सिंह ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की।

एचएयू में अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी, वीसी से मिले

हिसार | एचएयू में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर वीसी प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई दी। वीसी ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। प्रो. समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विवि से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**19.10.2020**	——	--

अन्नदाता की भलाई हो मुख्य लक्ष्य : कुलपति

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। कुलपति महोदय ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी साझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें।

अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी, कहा विश्वविद्यालय में मिला घर जैसा माहौल

विश्वविद्यालय में मिला परिवार जैसा माहौल इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यपकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिलेतारीफ है जिसके चलते उन्हें अपने परिवावर जैसा माहौल मिला है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया। विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	**19.10.2020**	——	--

'अन्नदाता की भलाई हो मुख्य लक्ष्य'

अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी, कहा- यहां मिला घर जैसा माहौल

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कुलपति ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की।

डिग्री पूरी होने पर अफगानी छात्रों के साथ हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य।

प्रो. समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी साझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें।

इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यपकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिलेतारीफ है जिसके चलते उन्हें अपने परिवार जैसा माहौल मिला है।

उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया। विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्षात्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है।

उन्होंने बताया कि इस बैच के छात्रों की स्कॉलरशिप व फंडिग इत्यादि का प्रबंध युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने समय-समय पर ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी से संपर्क बनाए रखा और मासिक रिपोर्ट तैयार करते रहे।

डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि डिग्री पूरी करने वाले छात्रों में अफगानिस्तान से बेवे लीमा ने बागवानी विषय व लीना मोहम्मदी ने आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन में मास्टर डिग्री पूरी की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने डिग्री पूरी करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति कार्यालय में बुलाकर मुलाकात की व विश्वविद्यालय के बारे में विद्यार्थियों के अनुभव भी सांझा किए। इस अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्षात्रा व अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	**18.10.2020**	——	--

हकृवि में अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी

हिसार, 18 अक्तूबर (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। कुलपति महोदय ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी साझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से मुलाकात करते विद्यार्थी।

विश्वविद्यालय में मिला परिवार जैसा माहौल

इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिलेतारीफ है जिसके चलते उन्हें अपने परिवार जैसा माहौल मिला है। इस विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया।

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा ज्ञात्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**18.10.2020**	——	--

अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी, कहा - विश्वविद्यालय में मिला घर जैसा माहौल

अन्नदाता की भलाई हो मुख्य लक्ष्य : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से मुलाकात करते अफगानी विद्यार्थी।

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 18 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। कुलपति ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी साझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यपकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिलेतारीफ है जिसके चलते उन्हें अपने परिवावर जैसा माहौल मिला है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया। विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है। उन्होंने बताया कि इस बैच के छात्रों की स्कॉलरशिप व फॅडिंग इत्यादि का प्रबंध युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने समय-समय पर ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी से संपर्क बनाए रखा और मासिक रिपोर्ट तैयार करते रहे। डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि डिग्री पूरी करने वाले छात्रों में अफगानिस्तान से बेवे लीमा ने बागवानी विषय व लीना मोहम्मदी ने आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन में मास्टर डिग्री पूरी की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने डिग्री पूरी करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति कार्यालय में बुलाकर मुलाकात की व विश्वविद्यालय के बारे में विद्यार्थियों के अनुभव भी सांझा किए। इस अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**18.10.2020**	——	--

अफगानिस्तानी विद्यार्थियों के पहले बैच की डिग्री पूरी

हिसार/18 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी विद्यार्थियों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को भी साझा करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कोरोना महामारी के चलते कठिन

परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया। विश्वविद्यालय की स्नात्तकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजैक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि यह प्रोजैक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में हकृवि में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	**18.10.2020**	--	--

अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी

कहा, विश्वविद्यालय में मिला घर जैसा माहौल

हिसार : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से मुलाकात करते हुए अफगानी विद्यार्थी। (छाया : राज पराशर)

हिसार, 18 अक्तूबर (राज पराशर): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। कुलपति ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी साझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा व अपने परिवार जैसा माहौल मिला है। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया। विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है। उन्होंने बताया कि इस बैच के छात्रों की स्कॉलरशिप व फंडिंग इत्यादि का प्रबंध युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने समय-समय पर ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी से संपर्क बनाए रखा और मासिक रिपोर्ट तैयार करते रहे। डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि डिग्री पूरी करने वाले छात्रों में अफगानिस्तान से बेबे लीमा ने बागवानी विषय व लीना मोहम्मदी ने आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन में मास्टर डिग्री पूरी की है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**18.10.2020**	——	--

अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी, कहा विश्वविद्यालय में मिला घर जैसा माहौल

अन्नदाता की भलाई हो मुख्य लक्ष्य : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने आए अफगानिस्तानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी हो गई है। स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। कुलपति महोदय ने डिग्री पूरी होने पर छात्रों से मुलाकात की और विश्वविद्यालय में उनके अनुभव के बारे में बातचीत की। प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी सांझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें।

विश्वविद्यालय में मिला परिवार जैसा माहौल

इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यपकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिले तारीफ है जिसके चलते उन्हें अपने परिवार जैसा माहौल मिला है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया।

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है। उन्होंने बताया कि इस बैच के छात्रों की स्कॉलरशिप व फंडिंग इत्यादि का प्रबंध युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने समय-समय पर ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी से संपर्क बनाए रखा और मासिक रिपोर्ट तैयार करते रहे। डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि डिग्री पूरी करने वाले छात्रों में अफगानिस्तान से बेबे लीमा ने बागवानी विषय व लीना मोहम्मदी ने आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन में मास्टर डिग्री पूरी की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने डिग्री पूरी करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति कार्यालय में बुलाकर मुलाकात की व विश्वविद्यालय के बारे में विद्यार्थियों के अनुभव भी सांझा किए। इस अवसर पर स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा व अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**19.10.2020**	——	--

अफगानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी

चंडीगढ़ (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार पढ़ने आए अफगानिस्तान के छात्रों के पहले बैच की स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी सांझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिलेतारीफ है जिसके चलते उन्हें अपने परिवार जैसा माहौल मिला है। विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया। विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व ग्रेन प्रोजेक्ट की नियंत्रण अधिकारी डॉ. आशा क्वात्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से 2018 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में शुरू हुआ था। अब तक स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रोग्राम में कुल 14 अफगानी विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	**18.10.2020**	——	--

अफगानी छात्रों के पहले बैच की डिग्री पूरी

चंडीगढ़/ब्यूरो : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में पढ़ने आए अफगानिस्तान के छात्रों के पहले बैच की स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी होने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी डिग्री के दौरान विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान को अपने देश में किसानों की भलाई के लिए अधिक से अधिक प्रयोग करें और अपने अनुभवों को अपने देश के विद्यार्थियों से भी साझा करें। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए इस विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए भी प्रेरित करें। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें विश्वविद्यालय का माहौल बहुत ही अच्छा लगा और विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व अन्य लोगों का व्यवहार काबिलेतारीफ है जिसके चलते उन्हें अपने परिवार जैसा माहौल मिला है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में शिक्षण, शोध व विस्तार की सुविधाएं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर उपलब्ध हैं। कोरोना महामारी के चलते कठिन परिस्थितियों में भी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनका भरपूर सहयोग किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला, दैनिक भास्कर.....

दिनांक 19.10.2020....पृष्ठ संख्या.....3, 2.....कॉलम.....1-2, 1-2...

फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक है मधुमक्खी : डॉ. अशोक

हिसार। मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है, क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या अधिक होती है, जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह -निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कही। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। इस दौरान डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. दलीप कुमार, डॉ. सुनीता यादव ने मधुमक्खी पालन की जानकारी दी।

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न, 34 प्रतिभागी शामिल

हिसार। एचएयू में मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के 34 प्रतिभागी भाग लिया। इस मौके पर एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण) ने अपने विचार व्यक्त किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...पंजाब केसरी...

दिनांक 19.10.2020 पृष्ठ संख्या ...2... कॉलम ...3-6...

फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक है मधुमक्खी

एच.ए.यू. में मधुमक्खी पालन पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 18 अक्तूबर (ब्यूरो): मधुमक्खी परागकण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है।

सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक ने व्यक्त किए। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं।

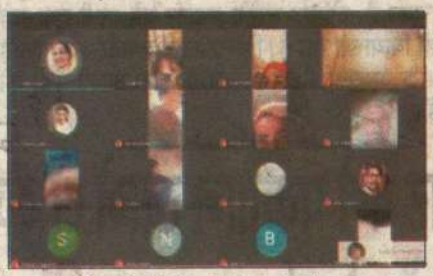

प्रतिभागियों को संबोधित करते वक्ता।

छत्तों से शहद निकालने का सही तरीका बताया

डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मधुमक्खी पालन की भूमिका, मक्खियों का जीवन चक्र, शहद उत्पादन बढ़ाने के तरीके व व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तीय मदद हासिल करने के बारे में जानकारी दी। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने फसल उत्पादन में मधुमक्खियों द्वारा ली जाने वाली बढ़ोतरी के बारे में बताया। डॉ. दलीप कुमार ने मधुमक्खियों से बनने वाले छत्तों व डॉ. तरुण वर्मा ने मौसम अनुसार मधुमक्खियों के छत्तों का प्रबधंन के बारे में बताया। डॉ. सुनीता यादव ने छत्तों से शहद निकालने का सही तरीका व मक्खियों को शत्रु कीटों व बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी। डॉ. निर्मल कुमार ने शहद व इसके उत्पादों के मंडीकरण पर विस्तार से बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 19.10.2020 पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....5.8.....

मधुमक्खी पालन व्यवसाय के बारे में दी जानकारी

जागरण संवाददाता, हिसार : मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। सर्दी में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण)ने व्यक्त किए। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं।

छत्तों से शहद निकालने का बताया सही तरीका

डा. भूपेन्द्र सिंह ने मधुमक्खी पालन की भूमिका, मक्खियों का जीवन चक्र, शहद उत्पादन बढ़ाने के तरीके व व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तिय मदद हासिल करने के बारे में जानकारी दी। डा. सुरेन्द्र सिह ने फसल उत्पादन में मधुमक्खियों द्वारा ली जाने वाली बढोतरी के बारे में बताया। डा. दलीप कुमार ने छत्तों व डा. तरुण वर्मा ने मौसम अनुसार छत्तों के प्रबधंन के बारे में बताया। डा. सुनीता यादव ने छत्तों से शहद निकालने का सही तरीका व मक्खियों को शत्रु कीटों व बीमारियों से बचाव के बारे में बताया। डा. निर्मल कुमार ने शहद व शहद के उत्पादों के मंडीकरण की जानकारी दी।

34 प्रतिभागियों ने लिया भाग

प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग लिया। डा. भूपेद्र सिंह व डा. सुरेन्द्र सिंह प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**19.10.2020**	——	--

फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक है मधुमक्खी : डा. गोदारा

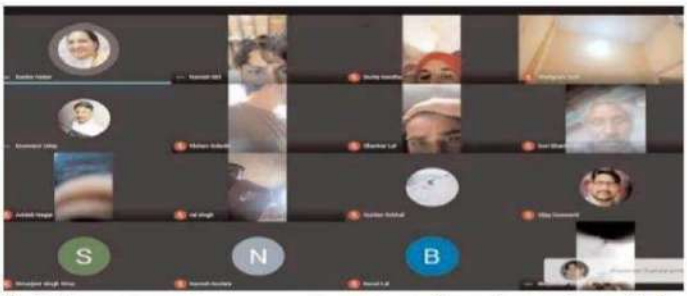

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण)ने व्यक्त किए। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**18.10.2020**	——	--

फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक है मधुमक्खी

प्रशिक्षण में मधुमक्खी पालन व्यवसाय की दी जानकारी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 18 अक्टूबर : मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक(प्रशिक्षण)ने व्यक्त किए। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है। डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मधुमक्खी पालन की भूमिका, मक्खियों का जीवन चक्र, शहद उत्पादन बढ़ाने के तरीके व व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तिय मदद हासिल करने के बारे में जानकारी दी। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने फसल उत्पादन में मधुमक्खियों द्वारा ली जाने वाली बढोतरी के बारे में बताया। डॉ. दलीप कुमार ने मधुमक्खियों से बनने वाले छत्तों व डॉ. तरूण वर्मा ने मौसम अनुसार मधुमक्खियों के छत्तों का प्रबधंन के बारे में बताया। डॉ. सुनीता यादव ने छत्तों से शहद निकालने का सही तरीका व मक्खियों को शत्रु कीटों व बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी। डॉ. निर्मल कुमार ने शहद व शहद के उत्पादों के मण्डीकरण पर विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**18.10.2020**	——	--

फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक है मधुमक्खी

एचएयू में मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

पांच बजे न्यूज

हिसार। मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डॉ. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण)ने व्यक्त किए। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते है।

छत्तों से शहद निकालने का बताया सही तरीका

डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने मधुमक्खी पालन की भूमिका, मक्खियों का जीवन चक्र, शहद उत्पादन बढ़ाने के तरीके व व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तिय मदद हासिल करने के बारे में जानकारी दी। डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने फसल उत्पादन में मधुमक्खियों द्वारा ली जाने वाली बढ़ोतरी के बारे में बताया। डॉ. दलीप कुमार ने मधुमक्खियों से बनने वाले छत्तों व डॉ. तरूण वर्मा ने मौसम अनुसार मधुमक्खियों के छत्तों का प्रबंधन के बारे में बताया। डॉ. सुनीता यादव ने छत्तों से शहद निकालने का सही तरीका व मक्खियों को शत्रु कीटों व बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी। डॉ. निर्मल कुमार ने शहद व शहद के उत्पादों के मण्डीकरण पर विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते है, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग लिया। डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. सुरेन्द्र सिंह प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	**18.10.2020**	——	--

फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक है मधुमक्खी

मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 18 अक्तूबर (राज पराशर): मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है, क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डा. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण)ने व्यक्त किए। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। डा. दलीप कुमार ने मधुमक्खियों से बनने वाले छत्तों व डा. तरूण वर्मा ने मौसम अनुसार मधुमक्खियों के छत्तों का प्रबधंन के बारे में बताया। डा. सुनीता यादव ने छत्तों से शहद निकालने का सही तरीका व मक्खियों को शत्रु कीटों व बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी। डा. निर्मल कुमार ने शहद व शहद के उत्पादों के मण्डीकरण पर विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग लिया। डा. भूपेद्र सिंह व डा. सुरेन्द्र सिंह प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचर	**18.10.2020**	——	--

फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक है मधुमक्खी

मधुमक्खी पालन पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 18 अक्तूबर (राज पराशर): मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है। इस व्यवसाय को वे लोग भी शुरू कर सकते हैं, जिनके पास जमीन का अभाव है या फिर जमीन नहीं है। सर्दी के मौसम में मधुमक्खी पालन अधिक मुनाफा देता है, क्योंकि इस समय फसल पर फूलों की संख्या बहुत अधिक होती है जो मधुमक्खी को शहद बनाने के लिए जरूरी होते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के डा. अशोक गोदारा, सह-निदेशक (प्रशिक्षण) ने व्यक्त किए। वे मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन को किसान थोड़े से पैसे से शुरू कर अपने व्यवसाय को बड़े स्तर तक बढ़ा सकते हैं। डा. दलीप कुमार ने मधुमक्खियों से बनने वाले छत्तों व डा. तरुण वर्मा ने मौसम अनुसार मधुमक्खियों के छत्तों का प्रबधंन के बारे में बताया। डा. सुनीता यादव ने छत्तों से शहद निकालने का सही तरीका व मक्खियों को शत्रु कीटों व बीमारियों से बचाव के बारे में जानकारी दी। डा. निर्मल कुमार ने शहद व शहद के उत्पादों के मण्डीकरण पर विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान वक्ताओं ने बताया कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित अन्य प्रदेशों के 34 प्रतिभागी भाग लिया। डा. भूपेंद्र सिंह व डा. सुरेन्द्र सिंह प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उत्तम हिन्दू न्यूज	**18.10.2020**	——	--

संक्षिप्त खबरें

मधुमक्खी पालन विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न, 34 प्रतिभागियों को दिया प्रशिक्षण

चंडीगढ़/मोहन अरविंद: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने मधुमक्खी पालन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 34 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया।कार्यक्रम के समापन अवसर पर उन्होंने कहा कि मधुमक्खी परागकरण क्रिया द्वारा फसल की पैदावार बढ़ाने में भी सहायक होती है । किसान खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन को सहयोगी व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन से शहद के अतिरिक्त भी अन्य पदार्थ जैसे मोम, प्रोपोलिस पराग, रायल जैली इत्यादि मिलते हैं, जिससे किसान अधिक लाभ कमा सकता है। इस कार्यक्रम में डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. सुरेन्द्र सिंह प्रशिक्षण के संयोजक रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक 19.10.2020 पृष्ठ संख्या......4...... कॉलम......2-4......

चूल्हे की आग को भी पराली जलना ट्रेस कर कृषि विभाग को रिपोर्ट भेज रहा हरसैक

65 स्थानों की सूचना दी, जिनमें से 35 स्थानों पर पराली में आग लगी नहीं मिली

भास्कर न्यूज | हिसार

कृषि विभाग के अधिकारी पराली जलाने वालों पर शिकंजा कस रहे हैं। रोज विभिन्न गांवों में लोगों को पराली न जलाने को जागरूक कर रहे हैं। कृषि विभाग के सूत्रों के अनुसार कूड़े के ढेर या फिर किसी चूल्हे में लगी आग को भी पराली में लगी दर्शाकर हरसैक रिपोर्ट भेज रहा है। अभी तक 65 स्थानों पर आग लगने की सूचना मिली, जिनमें से 35 स्थानों पर कृषि विभाग के अधिकारियों को पराली में आग लगी नहीं मिली है। अब तक 28 किसानों के पराली जली मिलने पर चालान किए गए जबकि 70 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया है। वहीं इस संबंध में हरसैक के डायरेक्टर से बात की तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

अभी भी जिला के कुछ किसान पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। पराली जलाने के कारण वातावरण प्रदूषित होता है। यहीं नहीं लोगों में भी कई तरह की बीमारियां जन्म ले लेती है। हालांकि हरसैक के मदद करने के कारण ही अभी तक पराली में आग लगने के मामलों पर कुछ हद तक अंकुश लगाया जा सका है। कृषि विभाग के डिप्टी डायरेक्टर बलजीत सहारण का कहना है कि गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है।

जानें.. क्या हैं एनजीटी के आदेश

कृषि रक्षा अधिकारी डॉ. अनुराग सांगवान के अनुसार एनजीटी ने पराली जलाने को लेकर साफ मना कर दिया है। उसके आदेशानुसार पराली जलाने पर 2500 रुपये का जुर्माना 2 से 5 एकड़ जमीन पर और 5 एकड़ से ज्यादा जमीन पर पराली जलाने पर 5 हजार रुपये का जुर्माना है। एनजीटी यह फाइन पर्यावरण को नुकसान से बचाने के लिए कर रहा है।

पराली जलाने से नुकसान

एचएयू के वानिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसएस ढिल्लो के अनुसार पराली जलाने से जो धुआं निकलता है, उसमें कार्बन मोनो ऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड गैस निकलती है। जो स्किन के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। यह सीधे जमीन पर पहुंच जाती है। इसके धुएं से आंखों में जलन होती है। सांस लेने में दिक्कत होती है। फेफड़ों की बीमारियां भी होने का खतरा रहता है।

कई बार डंपिंग स्टेशन या सड़क किनारे लगी आग को भी कैच कर लेता है सेटेलाइट सिस्टम : डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर

कृषि विभाग के डिप्टी डायरेक्टर का कहना है कि कई बार सेटेलाइट सड़क किनारे लगी आग की भी कैच कर लेता है। हालांकि सूचना पर प्रत्येक जगह टीम भेजी जाती है। टीम हरसैक को भी इसकी पिक भेजती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..19.10.2020.. पृष्ठ संख्या ....4.... कॉलम ....1....

एचएयू की प्रयोगशाला में 7 माह बाद अब रिसर्च कर सकेंगे छात्र

हिसार | सात माह बाद एचएयू की प्रयोगशाला में छात्र फिर से रिसर्च कर सकेंगे। लुवास में भी प्रयोगशाला में छात्रों ने काम करना शुरू कर दिया है। छात्रों के बीच सोशल डिस्टेंस और मास्क का विशेष ध्यान रखा जाएगा। दरअसल, कोरोना से बचाव के मद्देनजर 22 मार्च को एचएयू और लुवास में स्टूडेंट्स की एंट्री बंद कर दी थी। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि प्रयोगशाला में छात्रों को प्रैक्टिस करानी शुरू कर दी है। वहीं लुवास के वीसी डॉ. गुरदयाल सिंह का कहना है कि विवि में डिस्टेंस के साथ प्रैक्टिस शुरू करा दी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 19.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-2.....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

नींबू के पौधों में नाइट्रोजन की कमी पूरी करने के लिए यूरिया का छिड़काव करें

डॉ. एसके सहरावत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बतौर अनुसंधान निदेशक कार्यरत हैं।

नींबू के पौधों के पत्तों व फलों पर अगर पोषक तत्वों की कमी दिखाई दे तो जिंक सल्फेट 5 किलोग्राम और चूना 2.5 किलोग्राम को एक हजार लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इसी प्रकार नाइट्रोजन की कमी को पूरा करने के लिए 1-2 किलोग्राम यूरिया को 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जस्ते की कमी से पत्ते की नसों के दोनों ओर की जगह सफेद सी हो जाती है तो इसके लिए 500 मिलीग्राम प्लाण्टामाइसिन और दो ग्राम कॉपर आक्सीक्लोराइड का प्रति लीटर पानी की दर से अक्तूबर, दिसंबर, फरवरी व जुलाई में छिड़काव करें। माल्टे के अच्छी तरह पके हुए फल तोड़ लें और बेचने का प्रबंध करें। कीड़ों की रोकथाम के लिए यदि सितंबर में बताई गई कीटनाशक दवा का छिड़काव न किया गया हो तो इस माह के शुरू में छिड़काव करें। नींबू वर्गीय फलों को कैंकर रोग से बचाने के लिए कापर आक्सीक्लोराइड 0. 3 प्रतिशत का छिड़काव करें। पहला छिड़काव अक्तूबर में, दूसरा छिड़काव दिसंबर में व तीसरा छिड़काव फरवरी में करें। अगर अमरूद व जामुन में छाल खाने वाले कीड़ों का प्रकोप हो तो 10 मिलीलीटर मोनोक्रोटोफास 36 एमएल या मिथाइल पैराथियान 50 ईसी को 10 लीटर पानी में मिलाकर तने के छेद में भरकर चिकनी मिट्टी से बंद करें। इसके अलावा बेर की फसल में नाइट्रोजन वाली खाद की बाकी बची आधी मात्रा भी (500-600 ग्राम यूरिया) प्रति पेड़ के हिसाब से इस महीने के आखिर या नवंबर में डालकर सिंचाई करें। पाउडरी मिल्ड्यू रोग से बचाव के लिए 200 लीटर पानी में 400 ग्राम सल्फैक्स या 200 मिलीलीटर कैराथेन का घोल बनाकर भली - भांति छिड़काव करें। छाल खाने वाले कीड़ों हेतु नींबू जाति के पौधों में बताया गया उपचार करें। *प्रस्तुति : अमित कुमार, हिसार*

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com